SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

रायपुर जिले के निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में कार्यरत ग्रंथपालों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन

संजय शाहजीत, पुस्तकालय विज्ञान विभाग,
मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author

संजय शाहजीत, पुस्तकालय विज्ञान विभाग,
मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 27/07/2022
Revised on : -----
Accepted on : 03/08/2022
Plagiarism : 09% on 27/07/2022

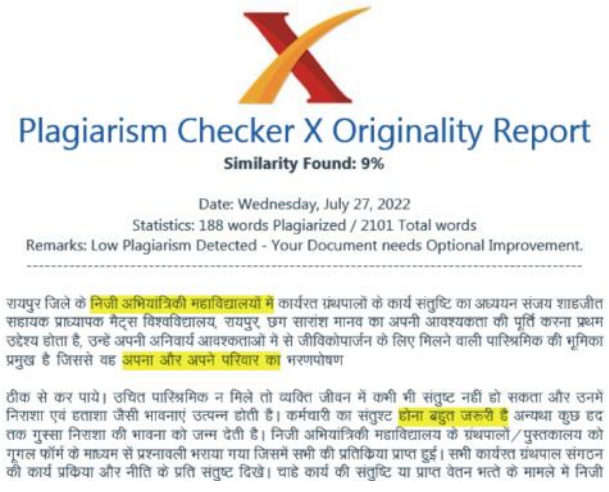
Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 9%

Date: Wednesday, July 27, 2022
Statistics: 188 words Plagiarized / 2101 Total words
Remarks: Low Plagiarism Detected - Your Document needs Optional Improvement.

रायपुर जिले के निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में कार्यरत ग्रंथपालों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन संजय शाहजीत सहायक प्राध्यापक मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छग सारांश मानव का अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना प्रथम उद्देश्य होता है, उन्हें अपनी अनिवार्य आवश्कताओं में से जीविकोपार्जन के लिए मिलने वाली पारिश्रमिक की भूमिका प्रमुख है जिससे वह अपना और अपने परिवार का भरणपोषण

ठीक से कर पाये। उचित पारिश्रमिक न मिले तो व्यक्ति जीवन में कभी भी संतुष्ट नहीं हो सकता और उनमें निराशा एवं हताशा जैसी भावनाएं उत्पन्न होती है। कर्मचारी का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है अन्यथा कुछ हद तक गुस्सा निराशा की भावना को जन्म देती है। निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय के ग्रंथपालों/पुस्तकालय को गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रश्नावली भराया गया जिसमें सभी की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सभी कार्यरत ग्रंथपाल संगठन की कार्य प्रक्रिया और नीति के प्रति संतुष्ट दिखे। चाहे कार्य की संतुष्टि या प्राप्त वेतन भत्ते के मामले में निजी

शोध सार

मानव का अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना प्रथम उद्देश्य होता है, अनिवार्य आवश्कताओं की पूर्ति व जीविकोपार्जन के लिए मिलने वाली पारिश्रमिक की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिससे वह अपना व अपने परिवार का भरणपोषण ठीक से कर पाये। उचित पारिश्रमिक न मिले तो व्यक्ति जीवन में कभी भी संतुष्ट नहीं हो सकता और उनमें निराशा एवं हताशा जैसी भावनाएं उत्पन्न होती है। कर्मचारी का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है अन्यथा कुछ हद तक गुस्सा निराशा की भावना को जन्म देती है। निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय के ग्रंथपालों/पुस्तकालय को गूगल फॉर्म के माध्यम सें प्रश्नावली भराया गया जिसमें सभी की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सभी कार्यरत् ग्रंथपाल संगठन की कार्य प्रक्रिया और नीति के प्रति संतुष्ट दिखे, चाहे कार्य की संतुष्टि या प्राप्त वेतन भत्ते के मामले हो निजी महाविद्यालयों में कार्यरत् ग्रंथपाल संतुष्ट पाये गये।

मुख्य शब्द

पुस्तकालय सेवा, कार्य संतुष्टि, संतुष्टि स्तर, निजी महाविद्यालय.

प्रस्तावना

मनुष्य के लिए अनिवार्य आवश्कताओं में से उनकी जीविकोपार्जन के लिए मिलने वाली पारिश्रमिक की प्रमुख भूमिका है जिससे वह अपना और अपने परिवार का भरणपोषण ठीक से कर पाये। कहीं न कहीं यह स्थिति परिवार से संबंधित समस्या का रूप ले लेती है, यदि व्यक्ति को पर्याप्त जीविकोपार्जन के लिए उचित पारिश्रमिक न मिले तो व्यक्ति जीवन में कभी भी संतुष्ट नहीं हो सकता और उनमें निराशा एवं हताशा जैसी भावनाएं उत्पन्न होती है। पुस्तकालय पेशेवरों के बीच भी यह

स्थिति प्रमुख रूप से विद्यमान है, विभिन्न संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय व्यवसायियों को किस प्रकार से काम में लिया जा रहा, क्या उन्हें उस स्तर का सम्मान मिल पाता है, जिस तरह के अन्य पेशेवरों को मिलता है? क्या उन्हें संबंधित संस्थानों में उचित अवसर उपलब्ध कराए जाते है? ऐसे ही पहलूओं पर आधारित यह अध्ययन निश्चित ही उनकी संतुष्टि और असंतुष्टि का स्तर ज्ञात करने के लिए है।

अवधारणा

कार्य संतुष्टि नौकरी की भावना को संदर्भित करता है। कार्य व्यक्ति के जीवन का अहम हिस्सा है क्योंकि यह आत्म संतुष्टि, खुशियां, संतोष प्रदान करता है। कर्मचारी के कार्य में संतुष्ट होना जरूरी है यदि नही तो इससे कार्य संतुष्ट वह कुछ हद तक गुस्सा निराशा की भावना को जन्म देती है। कार्य की संतुष्टि एक समझौता मात्र है जो नियोक्ता और नियुक्त कर्मचारी के बीच का है, जिसमें नियोक्ता अपने कार्यस्थल पर कर्मचारी से कार्य लेता है और कर्मचारी कार्य के बदले उसका भुगतान प्राप्त करता है। वर्तमान मानवतावादी समाज में कठिन प्रतिस्पर्धा है और अपने आप को दूसरों से श्रेष्ठ साबित करने का दबाव है और उनसे बेहतर परिणामों की अपेक्षा की जाती है। यदि परिणाम बेहतर होंगे तो उनमें कार्य की संतुष्टि भावना का विकास होगा और कार्यस्थल पर उनकी छवि बेहतर होगी।

महत्व

- कार्य की संतुष्टि उत्पादकता को प्रभावित करता है। एक संतुष्ट कर्मचारी कार्यस्थल पर अधिक उत्पादक हो सकता है और एक खुश एवं संतुष्ट व्यवसायी अपने कार्य पर व्यापक तरीके से ध्यान देगा और उत्तम परिणाम हासिल करेगा।
- संतुष्टि को वित्त से मापना उचित नहीं हैं जो वास्तविक संतुष्टि नहीं है, यह एक मात्र पैमाना नहीं हो सकता।
- जवाबदेही की भावना से उन्हें खुशी मिलती है जिससे अन्य कर्मचारियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और अन्य भी अपनी कार्यप्रणाली को सकारात्मक रूप से बेहतर करते हैं।
- कार्य संतुष्टि से मानसिक स्वास्थ अच्छा रहता और कार्यस्थल पर अनुपस्थिति की संभावना कम होगी।

उद्देश्य

- अभियांत्रिकी महाविद्यालयीन ग्रंथपालों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन।
- अभियांत्रिकी महाविद्यालय के महिला ग्रंथपालों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन।
- अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पुरूष ग्रंथपालों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन।

साहित्यिक समीक्षा

सिंह, अंगम जीवन (2014) ''शैक्षणिक पुस्तकालय के पुस्तकालय और सूचना नौकरी की संतुष्टि गार्गो हिल्स मेघालय में एक मूल्यांकन'' मेघालय के गार्गो हिल्स के 40 से अधिक शैक्षणिक ग्रथालयों के व्यवसाय में कार्य संतुष्टि का मूल्यांकन किया जिसमें पाया की अपने कार्य, लिए जाने वाले निर्णय और मिलने वाले मेहनताने से व्यवसायी सकारात्मक रूप से संतुष्ट दिखे। बाकी का असंतुष्टि स्तर प्रतिशत कम रहा।

अघई, सोमाया (2021) ''अकादमिक पुस्तकालय प्रबंधक के संचार कौशल और लाइब्रेरियन की नौकरी, प्रेरणा और संतुष्टि पर प्रभाव की खोज करना'' संचार कौशल और उनका प्रभाव पुस्तकालध्यक्षों की कार्य संतुष्टि ओर प्रेरणा का अध्ययन किया गया, जिसमें 20 लोगों से डेटा एकत्रित किए गए। ग्रंथालय व्यवसायियों में आंतरिक प्रेरणा ज्यादा प्रभावकारी तत्व के रूप में सामने आया और कार्य की प्रकृति के मामले में संतुष्टि कम था।

हरेन्सटाइन, बोनी (1993) ''अकादमीक पुस्तकालयाध्यक्षों की नौकरी की संतुष्टिः संतुष्टि के बीच संबंधों की एक परीक्षा'' प्रस्तुत पत्र में 300 पुस्तकालय पेशेवरों को यादृच्छिक डाटा चयन हेतु प्रश्नावली वितरित किया था साथ ही उन्होंने नौकरी की संतुष्टि पर केन्द्रित ग्रंथालय व्यवसायियों के 3 ग्रुप में 638 प्रश्नावली का डेटा विश्लेषण किया

जिसमें पुस्तकालय नियोजन एवं निर्णय लेने के मामलों में ज्यादातर शामिल रहे। अध्ययन में पेशेवर अकादमिक ग्रंथपालों को रैंक प्रदान करना था। संकाय की स्थिति और रैंक वाले ग्रंथपाल की अपेक्षा केवल ग्रंथपालों की स्थिति अच्छा था।

हक, महबुबूल (2014) ''पुस्तकालय पेशेवरों की कार्य संतुष्टि के आयाम'' मलेशिया के एक बड़े सार्वजनिक विश्वविद्यालय में पुस्तकालय कर्मचारियों में व्याप्त अंतर्निहित कार्य संतुष्टि के कारणों की जांच की जिसमें 12 पूर्णकालिक पुस्तकालयाध्यक्ष साक्षात्कार में भाग लेते हैं जिसमें कार्य संतुष्टि एवं असंतुष्टि के कारक का पता लगा। जिसमें धार्मिक एवं पर्यावरण कार्य संतुष्टि में काफी हद तक योगदान है।

मल्होत्रा, सोनाली (2021) ''पुस्तकालय स्वचालन सेवाओं और पुस्तकालय स्वचालन सेवाओं के प्रति उपयोगकर्ताओं के बीच संतुष्टि पर एक अध्ययन'' इस पत्र में संतुष्टि का स्तर पुस्तकालय संसाधन, उपलब्ध सुविधाएं और पुस्तकालय सेवाओं के बारे में प्राथमिक आंकडों पर आधारित हिमाचल प्रदेश के चयनित शैक्षणित संस्थानों के उपयोगकर्ताओं को शामिल किया गया। कुल 720 पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को डेटा विश्लेषण के लिए शामिल किया गया। विभिन्न प्रकार के शिक्षण संस्थानों में किए गये विश्लेषण में पुस्तकालय के उपयोगकर्ता इसमें संतुष्ट पाए गए लेकिन वे पुस्तकालय संसाधनों के प्रति उनका अलग ही राय रहा।

दास, अमीया कुमार (2015) ''पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय में पुस्तकालय पेशेवरों के बीच कार्य संतुष्टि'' पश्चिम बंगाल, हुगली जिले में निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय पेशेवर पुस्तकालय के साथ–साथ संतुष्टि का निर्धारण एवं मूल्यांकन करना, उनके सामाजिक एवं जनसांख्यिकी का पता लगाना। नौकरी की संतुष्टि की पहचान करने के लिए विभिन्न तथ्यों को शामिल किया जिसमें काम की प्रकृति, प्रशासनिक गतिविधियां, काम और परिश्रम जैसी कारकों को स्पष्ट कर नौकरी की संतुष्टि की पहचान करना शामिल किया है। इन्होंने अपने सर्वेक्षण में 38 पुस्तकालय पेशेवरों को अध्ययन में शामिल किया जिनका कार्यस्थल पर जाकर प्रश्नावली वितरित और संग्रहित किया गया। जिसमें पाया गया की अधिकांश पेशेवर नौकरी की विशेषताओं से संतुष्टि नहीं है।

कुमार, बालेश (2018) ''पुस्तकालय पेशेवरों के बीच कार्य संतुष्टि का अध्ययन'' इस पत्र में नौकरी से संतुष्टि स्तर का पता लगाना और जनसांख्यिकी जैसे कारकों को अध्ययन में शामिल किया। भारत के चार राज्यों जिसमें हरियाणा, चंडीगढ़, हिमांचल प्रदेश पंजाब के विभिन्न पुस्तकालय पेशेवरों का अध्ययन किया। विश्वविद्यालयों में कार्यरत् 138 पुस्तकालय पेशेवरों की नौकरी की संतुष्टि के स्तर का पता लगाने के लिए आंकड़ों के संग्रहण हेतु प्रश्नावली तैयार किया था जिसमें क्रमशः दो भाग शामिल किया था। एक सामान्य जानकारी एवं दूसरा पाल ई स्पेक्टर का नौकरी संतुष्टि सर्वेक्षण। जिसमें पाया गाया कि एक संतुष्ट पुस्तकालय पेशेवर प्रयोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवा ही प्रदान नहीं करता बल्कि पुस्तकालय के प्रति प्रतिबद्धता प्रदान करता है और अपने लक्ष्य के लिए निरंतर प्रयास करता है।

वानी, जावेद (2019) ''महाविद्यालयीन ग्रंथपालों की नौकरी से संतुष्टिः कश्मीर का एक अध्ययन'' कश्मीर के कॉलेज में कार्यरत पुस्तकालय पेशेवरों के बीच पाई जाने वाली संतुष्टि के स्तर व प्रमुख संतुष्टि और असंतोष के कारकों को जानने के लिए यह अध्ययन किया गया। इन्होंने अपने अध्ययन में जम्मू एवं कश्मीर के कश्मीर डिवीजन के कार्यरत पुस्तकालय पेशेवरों को अध्ययन के लिए चुना। 30 लोगों को प्रश्नावली के लिए भेजा गया था जिसमें 50 प्रतिशत प्रश्नावली प्राप्त हुआ और उन्हें अध्ययन के लिए चुना गया। जिसमें पाया गया कि पुस्तकालय पेशेवरों व्यवसायिक पदोन्नति एवं भुगतान के मामले में असंतुष्ट दिखे और अपने प्राधिकार के प्रति उनका दृष्टिकोण प्रतिकुल था।

अध्ययन विधि

रिसर्च के लिए चुने गए अध्ययन क्षेत्र के निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय के ग्रंथपालों/पुस्तकालय व्यवसायियों को गूगल फॉर्म के माध्यम सें संरचित प्रश्नावली भरवाया गया, जिसमें उन्हें विभिन्न वैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर को चयन करना था। सभी उत्तरदातों को विभिन्न माध्यम ईमेल और व्हाट्सएप से लिंक भेजा गया था। वर्तमान

में जिले के अंतर्गत कुल 8 निजी महाविद्यालय संचालित हैं और सभी से प्रश्नावली की प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

डाटा विश्लेषण

सभी निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालयीन ग्रंथपालों से डाटा संग्रह के बाद सभी का सारणी के माध्यम से विश्लेषण किया गया है:

सारणी क्रमांक 01: लिंग के आधार पर कार्यरत ग्रंथपाल

वर्ग	महिला	पुरूष
प्रतिक्रिया	02	06
प्रतिशत	25	75

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

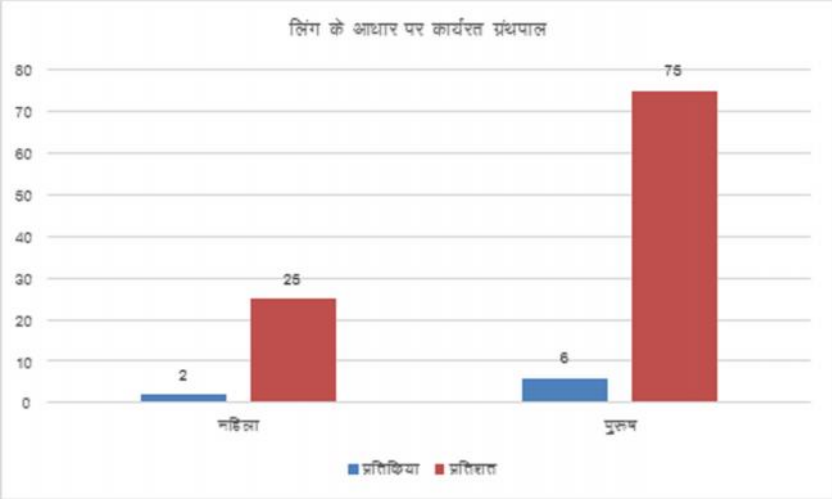

सारणी क्रमांक 1 में कार्यरत ग्रंथपालों में स्त्री और पुरूष के आधार पर वर्गीकृत किया गया जिसमें 2 महिला अर्थात् 25 प्रतिशत और 6 पुरूष अर्थात् 75 प्रतिशत कार्यशील है।

सारणी क्रमांक 02: पद एवं अनुभव के आधार पर ग्रंथपाल

पद			**अनुभव**		
ग्रंथपाल	7	87.5	5 वर्ष से कम	3	37.5
उपग्रंथपाल	0	0	5–10 वर्ष	1	12.5
सहायक ग्रंथपाल	1	12.5	10–15 वर्ष	3	37.5
अन्य	0	0	15–20 वर्ष	1	12.5

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सारणी क्रमांक 2 में विभिन्न महाविद्यालय में कार्यरत ग्रंथपाल को उनके पदानुसार स्पष्ट किया गया है जिनमें 87.5 प्रतिशत ग्रंथपाल पद पर कार्यरत है, 12.5 प्रतिशत में सहायक ग्रंथपाल के रूप में पदस्थ है और उपग्रंथपाल एवं अन्य का प्रतिशत शून्य है। साथ ही प्रस्तुत सारणी में अनुभव के आधार पर 37.5 प्रतिशत 5 वर्ष से कम के अनुभव, 12.5 प्रतिशत 5–10 वर्ष के अनुभव है, 37.5 प्रतिशत 10–15 वर्ष के अनुभव एवं 12.5 प्रतिशत 15–20 के अनुभवी है।

सारणी क्रमांक 03: संगठन कार्य प्रक्रिया से संतुष्ट

संतुष्टि स्तर	अत्याधिक संतुष्ट	संतुष्ट	असंतुष्ट	अत्याधिक असंतुष्ट	निर्णय में असमर्थ
उत्तरदाता	3	4	0	1	0
प्रतिशत	37.5	50	0	12.5	0

सारणी क्रमांक 3 से स्पष्ट है कि संगठन की कार्यप्रणाली के मामले में संतुष्टि का स्तर अत्याधिक संतुष्ट के मामले में 37.5 प्रतिशत संतुष्ट है, 50 प्रतिशत सामान्य रूप से संतुष्ट है और 12.5 प्रतिशत अत्याधिक रूप से असंतुष्ट है।

सारणी क्रमांक 04: संस्था के नीतियों के प्रति संतुष्टि

संतुष्टि स्तर	अत्याधिक संतुष्ट	संतुष्ट	असंतुष्ट	अत्याधिक असंतुष्ट	निर्णय में असमर्थ
उत्तरदाता	0	6	1	0	1
प्रतिशत	0	75	12.5	0	12.5

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सारणी क्रमांक 4 संस्था के नीतियों के प्रति संतुष्टि का स्तर 75 प्रतिशत संतुष्ट है, 12.5 प्रतिशत असंतुष्ट है और 12.5 प्रतिशत अपना निर्णय लेने में असमर्थ रहे।

सारणी क्रमांक 05: वर्तमान कार्य के आधार पर संतुष्ट ग्रंथपाल

संतुष्टि स्तर	अत्याधिक संतुष्ट	संतुष्ट	असंतुष्ट	अत्याधिक असंतुष्ट	निर्णय में असमर्थ
उत्तरदाता	1	6	0	1	0
प्रतिशत	12.5	75	0	12.5	0

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सारणी क्रमांक 5 में वर्तमान कार्य के आधार पर संतुष्ट ग्रंथपाल का स्तर अत्याधिक संतुष्ट 12.5 प्रतिशत रहा, 75 प्रतिशत केवल संतुष्ट रहे और 12.5 प्रतिशत अत्याधिक असंतुष्ट दिखे।

सारणी क्रमांक 06: पदोन्नति एवं नौकरी विकास से संतुष्ट

प्रतिक्रिया	हां	नहीं
उत्तरदाता	6	2
प्रतिशत	75	25

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

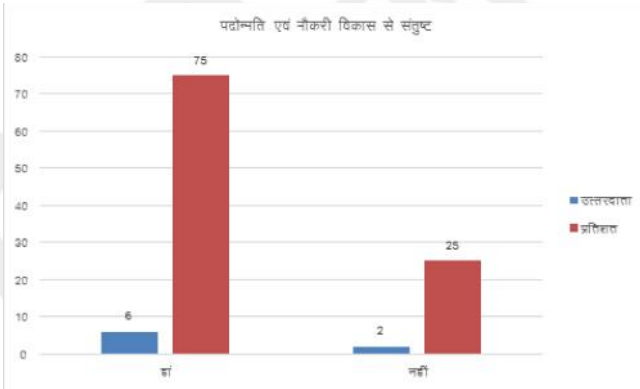

सारणी क्रमांक 6 पदोन्नति एवं नौकरी में विकास की संतुष्ट के मामले में उत्तरदाताओं का प्रतिशत सकारात्मकता के मामले में 75 प्रतिशत और नकारात्मकता का प्रतिशत 25 प्रतिशत रहा।

सारणी क्रमांक 07: सम्मेलन एवं संगोष्ठियों में अवसर से संबंधित प्रतिक्रिया

प्रतिक्रिया	हां	नहीं
उत्तरदाता	8	0
प्रतिशत	100	0

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

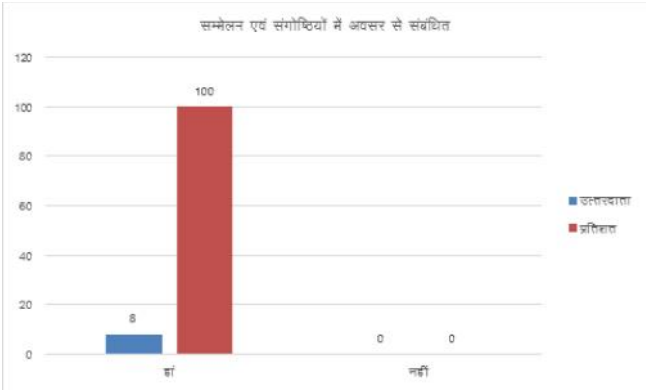

सारणी क्रमांक 7 सम्मेलन एवं संगोष्ठियों में मिलने वाले अवसर से संबंधित प्रतिक्रिया के उत्तर में सकारात्मकता का प्रतिशत 100 रहा।

सारणी क्रमांक 08: नौकरी की प्रकृति से संतुष्ट

संतुष्टि स्तर	अत्याधिक संतुष्ट	संतुष्ट	असंतुष्ट	अत्याधिक असंतुष्ट	निर्णय में असमर्थ
उत्तरदाता	0	7	1	0	0
प्रतिशत	0	87.5	12.5	0	0

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सारणी क्रमांक 8 में नौकरी की प्रकृति से संतुष्टि के मामले में 87.5 प्रतिशत संतुष्ट है और असंतुष्टों का प्रतिशत 12.5 रहा है।

सारणी क्रमांक 09: वेतन के मामले में संतुष्ट ग्रंथपाल

प्रतिक्रिया	हां	नहीं
उत्तरदाता	4	4
प्रतिशत	50	50

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

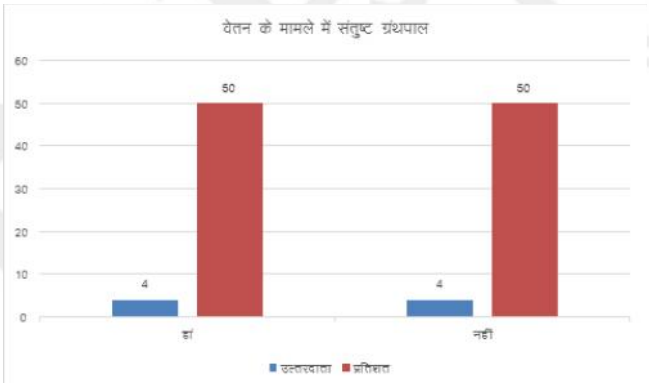

सारणी क्रमांक 9 में वेतन के मामले में संतुष्ट ग्रंथपाल का प्रतिशत 50 एवं 50 प्रतिशत असंतुष्ट रहे।

निष्कर्ष

1. निजी अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कार्यरत ग्रंथपालों में स्त्री और पुरूष के आधार पर वर्गीकृत किया गया जिसमें महिला 25 प्रतिशत और पुरूष 75 प्रतिशत संस्थान में कार्यरत है।
2. विभिन्न महाविद्यालय में कार्यरत् ग्रंथपालों को उनके पद के अनुसार स्पष्ट किया गया है जिनमें 87.5 प्रतिशत ग्रंथपाल पद पर कार्यरत है, 12.5 प्रतिशत में सहायक ग्रंथपाल के रूप में पदस्थ है और उपग्रंथपाल एवं अन्य का प्रतिशत शून्य है। साथ ही अनुभव के आधार पर 37.5 प्रतिशत 5 वर्ष से कम के अनुभवी, 12.5 प्रतिशत

5–10 वर्ष के अनुभव, 37.5 प्रतिशत 10–15 के अनुभव एवं 12.5 प्रतिशत 15–20 के अनुभवी कार्यरत् है।

3. संगठन की कार्यप्रणाली के मामले में संतुष्टि का स्तर 37.5 प्रतिशत अत्याधिक संतुष्ट है, 50 प्रतिशत सामान्य रूप से संतुष्ट है और 12.5 प्रतिशत अत्याधिक रूप से असंतुष्ट है।
4. संस्था के नीतियों के प्रति संतुष्टि का स्तर के संबंध में 75 प्रतिशत संतुष्ट है, 12.5 प्रतिशत असंतुष्ट है और 12.5 प्रतिशत अपना निर्णन लेने में असमर्थता है।
5. वर्तमान कार्य के आधार पर संतुष्ट ग्रंथपालों का स्तर में 12.5 प्रतिशत अत्याधिक संतुष्ट है, 75 प्रतिशत केवल संतुष्ट रहे और 12.5 प्रतिशत अत्याधिक असंतुष्ट है।
6. पदोन्नति एवं नौकरी में विकास की संतुष्ट के मामले में उत्तरदाताओं का प्रतिशत सकारात्मकता 75 प्रतिशत और नकारात्मकता का प्रतिशत 25 प्रतिशत रहा।
7. सम्मेलन एवं संगोष्ठियों में मिलने वाले अवसर से संबंधित प्रतिक्रिया के उत्तर में सकारात्मकता 100 प्रतिशत रहा।
8. नौकरी की प्रकृति से संतुष्टि के मामले में 87.5 प्रतिशत संतुष्ट है और 12.5 प्रतिशत असंतुष्ट रहे हैं।
9. वेतन के मामले में संतुष्ट 50 प्रतिशत एवं असंतुष्ट ग्रंथपाल का प्रतिशत 50 प्रतिशत रहा है।

संदर्भ सूची

1. Aghaei, Somayeh et. al. (2021) Exploring academic library manager's Communication skills and the effect on librarian's job motivation and satisfaction, Desidoc Journal of Library and technology, vol 41, no 5 Sept 2021, p 339-334.
2. Das, Amiya Kumar, (2015) Job Satisfaction among the Library professional in Private Engineering College in Hooghly District of West Bengal, India, Vol. 3(5), 8-14, June (2015), ISSN 2320–8929.
3. Haque, Mahbubul, (2012) et.al., Dimensions of Job Satisfaction of Library Professionals: A Qualitative Exploration, International Journal of Business and Social Research (IJBSR), Volume -2, No.-5, October 2012, p46-62
4. Horenstein, Bonnie, (1993) Job Satisfaction of Academic Librarians: An Examination of the Relationships between Satisfaction, Vol 54, No 3, p255-269.
5. Kumar, Balesh,(2018) A STUDY OF JOB SATISFACTION AMONG LIBRARY, ISSN: 2456-0553 (online) Vol.2 Issue XI (March 2018), Pages 62-68.
6. Malhotra, Sonali, (2021) A Study on Library Automation Services and Satisfaction Among Users Towards Library Automation Services, Page No. 2271 – 2290, ISSN : 2581-6918 (E), 2582-1792 (P) Year-04, Volume-04, Issue-04.
7. Singh Angom Jeevan (2014) Job Satisfaction of Library and Information in Academic Libraries: An evaluative study in gargo Hills, Meghalaya. International Journal of Information Research.4, 1; p1-9.
8. Wani, Javaid et.al., (2019) "Job satisfaction of College Librarians: A study of Kashmir", ibrary Philosophy and Practice (e-journal). 3001. https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/3001
9. https://www.businessmanagementideas.com/hi/human-resource-management-2/job-satisfaction/job-satisfaction-meaning-definition-importance-factors-effects-and-theories/19709 (accessed Novermber 11, 2021)

****